

THE PILLARS OF DEMOCRACY

VOLUME – 5 ISSUE – 3 MAR 2025 AMBERNATH PAGE 1 OF 4 RS 5/-

न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका तथा मीडिया का लेखा-जोखा जनता तक पहुंचाना, प्रारंभ मे एक मासिक के रूप में शुरू, इस मासिक समाचार पत्र का मूल उद्देश्य है। पाठक अपना विचार हिन्दी या अंग्रेजी में बेहिचक दे सकते हैं। शर्त सिर्फ यह है कि विचार किसी भी तरह के, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, पूर्वाग्रह से रहित होना चाहिए।
email id: vote1957@gmail.com

FORM IV

Statement about ownership and other particulars about newspaper **The Pillars Of Democracy** to be published in the first issue every year after the last day of February

1. Place of Publication – **Ambernath**
2. Periodicity of its publications – **Monthly**
3. Printer's name, nationality and address – Harishankar Upadhyay, Indian, Flat 15B, Jeevan Jyot, Bhidewadi, Kansai Section, Ambarnath (East), Dist – Thane, Maharashtra, PIN – 421501
4. Publisher's name, nationality and address – Same as above
5. Editor's name, nationality and address – Same as above
6. Name and address of the individuals who own the newspaper and partners and shareholders holding more than one percent of the total capital – Same as above

I Harishankar Upadhyay hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.



Date 1-3-25, Signature of Publisher

महाराष्ट्र के पुणे में सरकारी बस में बलात्कार

पुणे के स्वार गेट बस डिपो में यह कुकृत्य हुआ है। कहा जाता है कि स्थान पुलिस स्टेशन के करीब है। मतलब ये है कि अपराधियों को कोई डर नहीं है।

व्यस्त बस डिपो में इस तरह की घटना होना शर्मनाक है।

कुंभ ने फिर ली 15 लोगों की जान

कुंभ मेला के आतुर श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मच गई जिसमें 15 लोगों की खबर है। घायल कितने होंगे भगवान जानें क्योंकि असली आंकड़ा तो प्रयागराज में हुए भगदड़ में मरने वालों का अबतक पता नहीं चल पाया है। भारत के अन्य दिशाओं से प्रयाग तक आने जाने वाली गाड़ियों में भी भगदड़ जैसा ही हाल है। आखिर कुंभ का इतना अत्यधिक प्रचार क्यों किया गया है ! कुंभ में नहाने से मोक्ष मिलेगा ! मरने से स्वर्ग मिलेगा ! ये सब अंधविश्वास कब रुकेगा भारत में ! बीजेपी सरकारें धार्मिक कार्यक्रमों का कुछ ज्यादा ही प्रचार कर रही हैं ! राजनीतिक लाभ के लिए। धुवीकरण के लिए। चंद वोटों के लिए ! वैज्ञानिक दृष्टिकोण बढ़ाया जाना चाहिए ! अंधविश्वास नहीं !

भड़ियाधसान

कुंभ स्नान के लिए लोगों में इतनी उत्कंठा देखकर आश्चर्य होता है ! अंधविश्वास तार्किकता की बात ये लोग सुनना भी नहीं चाहते हैं। "मन चंगा तो कठौती में गंगा" मानने से भी इनकार करते हैं ! भड़िया धसान में इतने लोग मरे की भी चिंता नहीं है इन्हें !

परिवारवाद और नीतीश कुमार

अबतक परिवारवाद से दूर रहे नीतीश कुमार को भी अंततः पुत्र को आगे करना पड़ रहा है। उनके पुत्र निशांत कुमार ने मांग की है कि बिहार में चुनाव से पहले ही एनडीए मतलब बीजेपी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करे। मान लिया जाय कि बीजेपी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री के पद का उम्मीदवार घोषित कर भी दे तो क्या गारंटी है कि चुनाव बाद पलटी ना मार दे या पलटी मारने में विशारद प्राप्त नीतीश कुमार ही पलटी ना मार दें। एक बात तो तय है कि राजनीतिक पार्टियाँ एक दूसरे को शक की नजर से देखती हैं। नीतीश कुमार का बार बार इधर उधर आना जाना तथा महाराष्ट्र की घटनाएं इस बात के प्रमाण हैं। पुत्र को उपमुख्यमंत्री तथा पिता को राष्ट्रपति या राज्यपाल बनाने जैसी बात पर भी समझौता की अटकलें लगाई जा रही हैं। राजनीति में कुछ भी हो सकता है !

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने इस्तीफा क्यों दिया !

उनकी आवाज वाला एक टेप मिला है जिससे मणिपुर के हिंसा में उनकी संलिप्तता साबित होती है। हालांकि उनके द्वारा इस टेप की सत्यता से इनकार किया गया है।

टेप की फॉरेंसिक जांच भी हो गई है। मामला सुप्रीम कोर्ट में है। सुप्रीम कोर्ट ने फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय दिया है।

अगर जांच की पुष्टि हो गई तो जाहिर है कि मुख्यमंत्री के लिए संकट खड़ा हो सकता है। मुख्यमंत्री ही नहीं बल्कि भारत के प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री के लिए भी समस्या हो सकती है क्योंकि ये लोग मणिपुर के मुख्यमंत्री के पीछे चट्टान की तरह खड़े दिखे हैं अब तक !

संवेदनहीन सरकार

हथकड़ी लगा कर अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीयों को मिलिट्री विमान से भारत के लिए रवाना करना तथा भारत सरकार की चुप्पी क्या साबित करती है ! भक्त कह रहे हैं कि ऐसा भारत तथा अमेरिका के बीच हुए किसी समझौते के तहत किया जा रहा है। पर बेइज्जती के साथ समझौता भारत की घटती साख का परिचायक है।

जरा ये भी बताया जाय कि इन भारतीयों द्वारा कौन सा जघन्य अपराध हुआ है जिसकी सजा इस तरह से दी जा रही है !

Kejriwal And Sisodia Too Lose Their Seats

The Spirit of India Alliance could have saved their faces. In New Delhi the alliance didn't work. Probably no effort was put in by either Congress or AAP to check the BJP's Sunami in Delhi wherein it has got more than double the seats what AAP has got.

In over a dozen seats, simply add the vote of Congress and AAP candidates and the total of these two gets more than what BJP candidates have got. This could have helped Arvind Kejriwal and Manish Sisodia and many others win the election.

There is obvious lack of mutual trusts between AAP and Congress. Both these parties need to self introspect and try to build up a cohesive alliance of all political parties with mutual respects for each others.

Local parties tend to ask for lion's share during the seats sharing talks and try to sideline the Congress. Congress too probably in its judgement asks for bigger share than it deserves.

It would be difficult to defeat BJP single handedly. All opposition parties need to put their heads and hands together to face the BJP which is far ahead of all in respect of resources - money and material !

प्रोफेसर एन आई टी की डीन बनाई गईं

प्रोफेसर शाइजा कैदर सरकार के अधीन एन आई टी कालीकट में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर हैं। तरक्की देकर एन आई टी का डीन के रूप में उनकी नियुक्ति से विवाद खड़ा हो गया है क्योंकि पिछले साल महात्मा गांधी की पुण्य तिथि पर उन्होंने गोडसे की तारीफ की थी फेसबुक पर एक पोस्ट की प्रतिक्रिया में। उस वक्त भी कांग्रेस वाम पार्टियाँ ने विरोध किया था।

उनकी डीन की नियुक्ति के खिलाफ कांग्रेस ने आंदोलन का ऐलान किया है। कांग्रेस का कहना है कि उनकी नियुक्ति आर एस एस के एजेंडे के तहत की गई है।

THE PILLARS OF DEMOCRACY

VOLUME – 5 ISSUE – 3 MAR 2025 AMBERNATH PAGE 2 OF 4 RS 5/-

बिहार के विधान परिषद के राजद विधायक सुनील कुमार सिंह की विधायकी सुप्रीम कोर्ट ने बहाल किया ।

जातव्य है कि राजद विधायक ने पिछले साल विधान परिषद में बजट सत्र के दौरान अपने भाषण में बिहार के मुख्य मंत्री नीतीश कुमार के लिए पलटू राम करके उनका उपहास किया था।

इस पर कार्रवाई करते हुए विशेष धन परिषद ने उनकी विधायकी रद्द कर दी थी। इसी के खिलाफ मामला सुप्रीम कोर्ट गया था ।

सुप्रीम कोर्ट ने सदस्यता समाप्त करने के फैसले को अत्यधिक दंड बताते हुए निरस्त कर दिया है तथा चुनाव आयोग द्वारा उप चुनाव करने की अधिघोषणा को भी रद्द कर दिया।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने विधायक को भी फटकार लगाई है यह कहते हुए कि उनका आचरण घिनौना था।

Detesting Old – Age Homes

For ages Indian homes have been arenas for domestic fights particularly after advent of the bride – a complete stranger in the family. A few days go by with celebrations and peaceably but gradually the disease of domestic conflicts gets founded and quarrels take places on daily basis. Hardly a day passes without moods of all the stake – holders like husbands wives, mother in laws or father in laws or sister in law's etc getting spoiled. The quarrels are more pronounced in big joint families. However even nuclear families comprising husbands wives their children and parents don't get spared.

Many preachers do rightly preach to appreciate the importance of parents who take so much pain in grooming their children implying that they must pay back to their parents their debts. Similarly social workers preach to take care of the brides who leave their parental homes and have to adopt to the norms of the new homes of her in laws.

Its ok but if you will see the irreconcilable domestic conflicts fights/quarrels among in-laws centered mostly around the daughter in laws in almost every houses for variety of reasons – you have only two options of either getting a divorce with your better half and at times getting entangled in criminal cases slapped by or against them or sending your parents to some safer places or caregivers.

Pulling on with the domestic conflicts has resulted into many suicides, violence, bride burnings, persecutions of parents, incarcerations in jails,

As such what is the way out better than searching for old-age homes.

Hard facts can't get enlightened by preachings. Better solutions by anybody could be an eye opener and could probably bring an end to such domestic violence making old age homes redundant

Rajdeep Sardesai , a senior journalists recalls Godhra and Gujarat riot victims on his X/Twitter

23 years on, thoughts this morning with the families of the victims of the horrific Godhra train burning and the terrible riots in Gujarat that followed. NO ONE, repeat NO ONE, deserves to be targeted for their religious identity. Sadly 100s died but there hasn't been true JUSTICE and ACCOUNTABILITY be it 84 Delhi, 92-93 Mumbai or 2002 Gujarat. Prayers for all with the hope that religion will never be used as a weapon to divide and demonise the 'other'

वृद्धाश्रमों से घृणा

सदियों से भारतीय घर पारिवारिक झगड़ों के अखाड़े बने हुए हैं। खासकर जब नई बहू घर में आती है। शुरुआत में तो सब कुछ ठीक-ठाक रहता है, लेकिन धीरे-धीरे घर में तनाव और झगड़े शुरू हो जाते हैं। यह समस्या बड़े परिवारों में ज्यादा दिखाई देती है, लेकिन छोटे परिवारों में भी यह समस्या कम नहीं होती है।

कई लोग कहते हैं कि माता-पिता की देखभाल करना हमारा कर्तव्य है, और यह सच भी है क्योंकि उन्होंने अपनी संतानों के पालन पोषण में कष्ट सहे हैं। मतलब बच्चों को अपने माता पिता का ऋण चुकाना चाहिए। इसी तरह से सामाजिक कार्यकर्ता कहते हैं कि बहुओं की भी रक्षा करना सबका कर्तव्य है, जो अपना घर/मायका छोड़ एक नए घर सुसराल में आती है जहां के नियमों से वह अनजान होती है।

ठीक है, लेकिन अगर आप घरों में होने वाले अनियंत्रित पारिवारिक संघर्षों और झगड़ों को देखेंगे, जो अधिकतर बहुओं के इर्द-गिर्द केंद्रित होते हैं और लगभग हर घर में विभिन्न कारणों से होते हैं, तो आपके पास केवल दो विकल्प हैं - या तो अपने जीवनसाथी से तलाक ले लें और कभी-कभी उनके द्वारा या उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक या दीवानी मामलों में उलझ जाएं, या अपने माता-पिता को किसी सुरक्षित स्थान या देखभालकर्ताओं के पास भेज दें। इन घरेलू कलहों को जारी रखने से समाज में कितनी आत्महत्याएं हुई हैं, हिंसा होते हैं, दुल्हने जलाई गई हैं, माता पिता का उत्पीड़न होता है, जेल में भी गए हैं लोग।

ऐसे में वृद्धाश्रमों की तलाश करना एक अच्छा विकल्प लगता है। लेकिन यह समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। हमें इस समस्या का समाधान ढूंढना होगा जिससे घरों में झगड़े कम हों और बुजुर्गों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिले।

कटु सत्य का समाधान केवल उपदेशों से नहीं हो सकता है। हमें व्यावहारिक समाधान ढूंढने होंगे जो घरों में झगड़ों को कम कर सकें और बुजुर्गों को सुरक्षित जीवन प्रदान कर सकें।

Prashant Bhushan, Senior Advocate on X/Twitter

Must Watch: A deep dive into the fraud who calls himself Sadhguru. Doubts Deepen on Isha Foundation & Sadhguru Jaggi Vasudev after Shyam Meera Singh's expose of the goings on in his Ashram

Youtu.be/k10IfgYGBE?si... via @YouTube

आस्था तथा विज्ञान

बीजेपी की सरकारों ने श्रद्धा या आस्था को खूब हाइप किया है। भगदड़ में मरने पर मोक्ष मिलता है इन्होंने के एक बाबा ने कहा है मूर्ख समाज विश्वास भी किया है। इस सरकार के अंदर वैज्ञानिक दृष्टिकोण को तिलांजलि दे दी गई लगती है !

गंगा में नहाने से या कुंभ में नहाने से अलौकिक सुख मिलता है कोई वैज्ञानिक प्रमाण है क्या ! या अलौकिक सुख का भी कोई वैज्ञानिक प्रमाण है क्या ! आस्था वालों को ऐसे सवालों से चिढ़ होने लगती है।

आस्था से जब भगदड़ होने लगे, लोग मरने लगे, ट्रैफिक जाम होने लगे, ट्रेनों के इंजनों तक में भी लोग धक्कामुक्की करने लगे यूपी में मीलों जाम लगने लगे तो आस्था पर भी सवाल उठाना ही चाहिए। वरना आस्था या श्रद्धा से किसी को आपत्ति क्योंकर होगी !

ये बात सभी धर्मों के लिए है। कुंभ मेले का उदाहरण देना पड़ा क्योंकि ये ताजा खबर है !

स्टेशन परिसर में गंदगी

बिहार के सासाराम रेलवे स्टेशन परिसर में गंदगी ना केवल स्टेशन के वातावरण को दूषित करता है, अपितु यह स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है तथा रेल विभाग तथा सासाराम नगर परिषद के संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन तथा। बिहार सरकार के लोहिया स्वच्छता अभियान की अवहेलना है। लोग खुले में पेशाब करते दिख सकते हैं क्योंकि आसपास को शौचालय नहीं है।

Arrogance And Trump

Orders and statements issued by USA under new dispensation under President Donald Trump are destined to disturb the established world order.

I am sure the liberals in America will be more perturbed over such actions than people elsewhere in the world and will see the recklessness is brought within manageable limits.

Some of the worrisome actions:-

1. Abolition of Citizenship by Birth
2. Open bonhomie with and encouragement to israel.
3. Slapping sanction on ICC (International Criminal Court) for its indictment of Israel for its wrongdoings in Gaza .
4. Open threat to takeover of Gaza
5. Humiliating deportation of illegal migrants including those from India

THE PILLARS OF DEMOCRACY

VOLUME – 5 ISSUE – 3 MAR 2025 AMBERNATH PAGE 3 OF 4 RS 5/-

भारतीय चुनावों में अमेरिकी फंडिंग चिंताजनक

हाल ही में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत में मतदान के प्रयासों के लिए 21 मिलियन डॉलर के आवंटन पर सवाल उठाया, यह सुझाव देते हुए कि यह चुनावों को प्रभावित करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, रिकॉर्ड्स से पता चलता है कि यह राशि वास्तव में 2022 में बांग्लादेश के लिए स्वीकृत की गई थी, न कि भारत के लिए। इसके अलावा, यूएसएआईडी के खर्च पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं, कुछ आलोचकों ने एजेंसी पर अपव्यय का आरोप लगाया है। उदाहरण के लिए, एलोन मस्क के विभाग ने यूएसएआईडी के कुछ परियोजनाओं को रद्द कर दिया है, जिनमें से एक 750,000 डॉलर का अनुदान एक एनजीओ को दिया गया था जो बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर के जीजा से जुड़ा हुआ है।

इसके अलावा, यह आरोप भी लगाया जा रहा है कि यूएसएआईडी के फंड का उपयोग भारत की चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के लिए किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने यूएसएआईडी के फंड के प्राप्तकर्ताओं पर सवाल उठाया है और पारदर्शिता की मांग की है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यूएसएआईडी का फंड भारत में महामारी के बाद से घट रहा है, 2022 में 228.18 मिलियन डॉलर से घटकर 2024 में 151.8 मिलियन डॉलर हो गया है। इसके बावजूद, यूएसएआईडी फंडिंग विवाद भारत में एक विवादित विषय बना हुआ है।

To,
1. Municipal Commissioner, GHMC
2. Spl Chief Secy Telangana Road and Buildings
3. CMO, Telangana Govt.

Dated 26/2/2025

Sub:- No footpaths along Gachi Bowli Miyapur Road causing inconvenience to pedestrians

Sirs/Madams,

I am the Editor of a monthly newspaper "The Pillars Of Democracy". I am sharing my observation about the lack of footpaths causing inconvenience to pedestrians along one of the busiest roads – the Gachi Bowli Miyapur Road for the stretch which I had to walk through between Kondapur Junction near Sarath City Mall along Marriot Hotel till Platinum Hotel. Land mark Fortune Cyber Building housing Malabar Gold and Diamonds Joyalukkas jewellery shops.

Surprisingly I found no footpaths constructed along the sides of the roads for convenience and safety of pedestrians.

Absence of any footpaths gives full freedom during traffic jams to persons riding vehicles mostly the bikers, two wheelers or even auto rickshaw to cross recklessly over the roads' white lines/demarcations and driving through the space available for pedestrians causing them inconvenience. This may cause accidents as well.

I believe the same condition exists elsewhere throughout the stretch of the Gachi Bowli Miyapur Road.

I am writing this to your good selves so that this issue may get due attention and redressal by way of construction of footpaths along the road.

However I must appreciate the fact that elsewhere almost all around the cyber/Hitech city appropriate footpaths do exist.

Regards
Harishankar Upadhyay
Mobile 9869435995
Editor of "The Pillars Of Democracy".

To
The Chairperson,
Bihar State Women's Commission,
Patna, Bihar

Dated 18/2/2024

Sub:- Ladies toilets at Ara Bus Stand are non – functional constraining ladies to use gents toilet

Respected Madam,

Even after over two and half months since I wrote to Municipal Commissioner through my email dated 3/12/2025 no follow up seems to have been taken in the matter. At this point of time I thought it proper to write to your good self with the hope that the complaint may get due attention of the persons responsible for purpose.

The gist of the complaint I am reproducing below exactly as I had written to the Municipal Commissioner, Ara Nagar Nigam :-

"I was surprised to see ladies using the gents toilets at Ara Bus Stand. When asked the toilet – attendant told that ladies toilets have got choked up and hence can't be used. He said that this problem is since long and the concerned authorities have been made aware of the fact but nothing has been done."

"It is most unfortunate that despite better toilet structures – the anomalous situation of ladies using the gents toilets continues for long due to obvious neglect and poor management of the concerned authorities."

"Kindly note that Ara Bus Stand is the busiest place where busses to and from Ara keep plying continuously. Hence the use of the toilets are more and frequent."

I request you kindly to get the needful done by getting the toilets repaired soon to avoid any awkward untoward situation taking place in future.

Regards
Harishankar Upadhyay
Mobile 9869435995
Editor of "The Pillars Of Democracy"
Copy to 1. Municipal Commissioner, Ara Nagar Nigam
2. CM, Bihar Government

बिहार में बदतर बस सेवा

बीजेपी तथा जेडीयू के डबल इंजन सरकार वाले बिहार में सरकारी बस सेवा है ही नहीं। अपर्याप्त निजी बसें अपनी मर्जी के मालिक हैं। समय सारिणी राम भरोसे। पैसेंजर ठूस ठूस कर भरते हैं। आम आदमी की हालत समझी जा सकती है।

उदाहरण के लिए बिहार की राजधानी पटना से जिला मुख्यालयों आरा, सासाराम, भभुआ या बक्सर की ओर जाने वाली बसों की हालत देख लीजिए।

विशेषकर शाम के 4- 5 बजे के बाद आप को बस मिलने की संभावना नगण्य है। आप जहां हैं वहीं अटक कर रह जाएंगे।

या यदि आप के पास पैसे हैं तो गाड़ी रिजर्व कर के सफर कर सकते हैं।

क्या नीतीश जी और मोदी जी इस ओर भी ध्यान देंगे या सिर्फ हवाई अड्डा बनाने का सब्ज बाग दिखाते रहेंगे !

प्रति,
नगर आयुक्त
सासाराम नगर निगम
विषय :- सासाराम रेलवे स्टेशन परिसर में गंदगी
सर/मैडम

स्टेशन के बाहर कोई शौचालय नहीं है। इस कारण लोग खुले में पेशाब करने को मजबूर है। ये ना केवल सासाराम स्टेशन की खूबसूरती में धब्बा लगाता है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है। यह भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन तथा बिहार सरकार के लोहिया स्वच्छता अभियान की अवहेलना है संबंधित रेल या सासाराम नगर परिषद कर्मियों द्वारा। आप से निवेदन है कि सासाराम रेलवे स्टेशन परिसर में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित कर्मियों आदेशित करें।

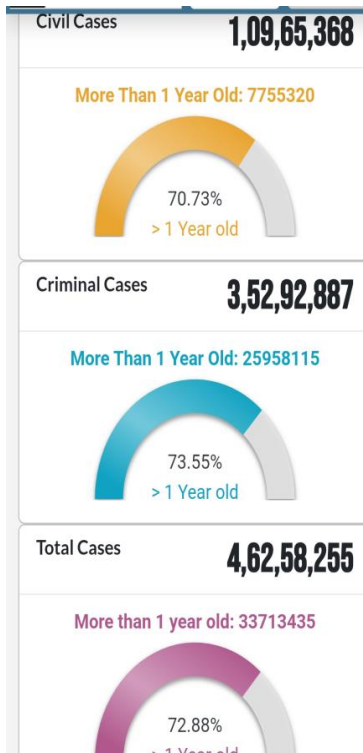
भवदीय
हरिशंकर उपाध्याय
मोबाइल 9869435995
संपादक मासिक समाचार पत्र "द पिलर्स ऑफ डेमोक्रेसी"
<https://www.facebook.com/share/r/15yxDn9fv3/>

THE PILLARS OF DEMOCRACY

VOLUME – 5 ISSUE – 3 MAR 2025 AMBERNATH PAGE 4 OF 4 RS 5/-

Miscellaneous

Total cases pending in District and Subordinate Courts in India as on 28th February 2025 (Courtesy NJDG)



Another Asharan and Ram Rahim in Making

Prashant Bhushan @pbbhushan

Must Watch: A deep dive into the fraud who calls himself Sadhguru. Doubts Deepen on Isha Foundation & Sadhguru Jaggi Vasudev after Shyam Meera Singh's expose of the goings on in his Ashram

youtu.be/kI0IfgYGBE?si... via @YouTube

YouTube

5 साल पहले बताया था कि सतर्क रहिए ये बाबा भी आसुरी है

ये बाबा भी आसुरी है

थर्ड एYE EP 1069

श्याम मीरा सिंह के विडियो पर बढ़ा बवाल

Doubts Deepen on Isha Foundation & Sadhguru Jaggi Vasudev Shyam Me...
Join this channel to get access to the perks: <https://www.youtube.com/channel/UCK1XCJqEEFf5l6zhfIEZA/join>-----Doubts Deepen on Isha Foundation & Sadhgur...

8:46 PM · 26 Feb 25 · 219K Views

Total cases pending in High Court's of India as on 28th February 2025 (Courtesy. NJDG)



About PM's Degree

Prashant Bhushan @pbbhushan

What is there to hide PM's degree from the people? Is there a problem with the degree? Is it because he got a 3rd division?

Can show PM Modi's degree to Court, but not to strangers: DU to Delhi High Court

Bara Bench 27 Feb

What discrepancies mar Modi's records?

5:22 PM · 27 Feb 25 · 185K Views

1,970 Reposts 135 Quotes 6,857 Likes

Unusual Voters Rise in Maharashtra

Rajdeep Sardesai @sardesairajdeep

Maharashtra total voters as per EC data: Data from EC documents:
Total Electors:
2019 loksabha: 8,86,76,946
2019 assembly: 8,98,38,267
2024 loksabha: 9,30,61,760
2024 assembly: 9,70,25,119
Net net: 44 lakh voters added in 5 years, 40 lakh in 5 months!! @ECISVEEP still to give a cogent explanation. 🙄

12:20 PM · 07 Feb 25 · 893K Views

4,622 Reposts 231 Quotes 13.9K Likes

India Must Speak Out on Palestine

Sudheendra Kulkarni @SudheenKulkarni

When will our Govt break its Maun Vrit on this issue?

Like China, India has always supported a "two-state solution" and an independent Palestinian State.

But now our Govt shows no moral or political courage to say this to Trump and Netanyahu.

BRICS News @BRICSInfo · 21 Feb

JUST IN: China calls on all parties to accelerate the advancement of a two-state solution and support an independent State of Palestine.



अरविंद केजरीवाल ट्विटर पर

दिल्ली की नई बीजेपी सरकार ने बाबा साहेब का फोटो हटाकर प्रधान मंत्री मोदी जी का फोटो लगा दिया। ये सही नहीं है। इस से बाबा साहेब के करोड़ों अनुयायियों को ठेस पहुँची है।